नवभारत
इंदौर, मंगलवार, 16 जून, 2026



# टीईटी का विरोध सहित शिक्षकों की समस्याओं पर किया मंथन

**▶ 18 जून को देशभर में सौंपे जाएंगे ज्ञापन**

**उन्हेल। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला शाखा उज्जैन की जिला स्तरीय बैठक राज सृजन परिसर, उन्हेल में संपन्न हुई। बैठक में मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह डोड़िया ने की।**

बैठक में जिले की सभी तहसीलों से शिक्षक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। बैठक में नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता, टीईटी परीक्षा का विरोध, परिवीक्षा अवधि समाप्ति के आदेश सहित शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आव्हान पर 18 जून को देशभर में प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे जाने के क्रम में मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला उज्जैन द्वारा भी कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता पर विशेष बल दिया गया। जिला कोषाध्यक्ष सीताराम सिसोदिया ने आगामी प्रांतीय अभ्यास वर्ग हेतु वित्तीय व्यवस्थाओं की जानकारी दी। संभागीय सचिव दिग्विजय सिंह ने प्रांतीय अभ्यास वर्ग की तैयारियों एवं प्रस्तावित वृहद जिला सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में शिक्षा भूषण अलंकरण सम्मान के अंतर्गत प्रत्येक तहसील के एक सेवानिवृत्त शिक्षक का सम्मान किया जाएगा। समर्थ भारत आयाम के प्रांत प्रमुख राजेन्द्र रावल ने जिले में गुरु छाया एवं गुरु वंदन कार्यक्रम आयोजित करने की योजना प्रस्तुत की। संभागीय सह संगठन मंत्री सुभाष पाटीदार ने संगठन के सुदृढ़ीकरण हेतु सदस्यता अभियान को गति देने पर जोर देते हुए कहा कि संगठन का मूल उद्देश्य राष्ट्रहित, शिक्षाहित, छात्रहित एवं शिक्षकहित है। जिला संगठन मंत्री जगदीश सिंह केलवा ने संत रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर सामाजिक समरसता एवं उनके जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। जिला अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह डोड़िया ने संगठन के पंजीयन लक्ष्य एवं शिक्षक समस्याओं पर चर्चा करते हुए बताया कि इस वर्ष उज्जैन जिले में लगभग 2600 सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर ने अपने उद्बोधन में उज्जैन जिले में आयोजित होने वाले प्रांतीय अभ्यास वर्ग की व्यवस्थाओं एवं शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण के लिए संगठन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने आश्वस्त किया कि नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता सहित शिक्षकों की सभी प्रमुख मांगों के लिए संगठन निरंतर संघर्षरत रहेगा। उन्होंने कहा कि टीईटी परीक्षा के विरोध में 18 जून को पूरे देश में ज्ञापन अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने शिक्षकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक समाज निर्माण का आधार हैं तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका सर्वोपरि है।

बैठक का संचालन जिला सचिव महेश पाटीदार ने किया। कार्यक्रम में सुनील सोनावा, सुभाष चंद्र सेठिया, मदनलाल पांचाल, धीरेंद्र सिंह पंवार, भारत सिंह परमार, रूप सिंह सोलंकी, मनीष बैरागी, कमल किशोर कुल्मी, देवेंद्र सिंह राठौड़, दीपक घोचा, आनंद मीणा, नंदराम अटोलिया, मुकेश रघुवंशी, प्रदीप सिंह परिहार, जीवन सिंह पंवार, नरेंद्र सिंह डोड़िया, वैदेश्य चंदेल, जितेंद्र जैन, संजय पाठक, अरविंद दुबे, संजय चौरसिया, योगेंद्र सिंह चौहान, बाबूलाल आसोड़िया, सेवाराम जी, सेठिया जी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अविनाश राठौड़ ने आभार व्यक्त किया। जानकारी रणजीत परमार ने दी।

## वृद्ध आश्रम में सेवा ही बना जीवन का संकल्प

**उज्जैन।** मानव सेवा को ही सबसे बड़ा धर्म मानते हुए जोगी पीर रामनाथ सेवा समिति वृद्ध आश्रम एवं अनाथालय में महावीर नाथ जी महाराज द्वारा सेवा कार्य किया गया। आश्रम में रहने वाले बुजुर्गों और जरूरतमंद लोगों के बीच समय बिताकर उन्होंने उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें अपनापन दिया। महावीर नाथ जी महाराज ने कहा कि इन लोगों के बीच आकर मुझे अपने परिवार जैसा महसूस होता है। जिन लोगों का कोई सहारा नहीं होता, उनके लिए आश्रम ही उनका परिवार बन जाता है। इनकी सेवा करने से मन को अद्भुत शांति मिलती है। सनातन धर्म भी हमें सेवा और मानवता का मार्ग दिखाता है, इसलिए हमें हर जरूरतमंद की सेवा करनी चाहिए। सेवा कार्यों के साथ-साथ नशा मुक्ति अभियान भी चलाया जा रहा है। इससे युवाओं को संस्कार और सनातन संस्कृति से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

## एक नजर में

### सोमवती अमावस्या पर महिलाओं ने उपवास रखकर पीपल के वृक्ष की पूजा की

**घट्टिया।** सोमवती अमावस्या पर्व पर सोमवार को महिलाओं ने व्रत रखकर सुख समृद्धी की कामना को लेकर पीपल के वृक्ष का पूजन अर्चन कर 108 परिक्रमा लगाकर 108 वस्तुओं का दान किया।

### साधारण सभा में वार्षिक प्रतिवेदन का विमोचन

**उज्जैन।** वेद नगर स्थित आनंद भवन में संस्कार भारती जिला इकाई की साधारण सभा संपन्न हुई। कार्यक्रम में संस्था के वार्षिक प्रतिवेदन का विमोचन किया गया और आगामी वर्ष की गतिविधियों की रूपरेखा तय की गई। शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया, जिसके बाद अर्चना आपटे तिवारी ने ध्येय गीत प्रस्तुत किया। सभा में महामंत्री दुर्गाशंकर सूर्यवंशी ने गत सत्र की गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए आयोजित 42 कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। कोष प्रमुख जयंत तेलंग ने संस्था की वित्तीय स्थिति का ब्यौरा रखा। जिला अध्यक्ष माया बदेका ने आगामी वर्ष की गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस दौरान मालवा प्रांत के संगठन मंत्री राहुल भौमिक ने संगठन के लक्ष्यों व कार्यपद्धति से अवगत कराते हुए आगामी कार्यों के लिए सदस्यों का मार्गदर्शन किया। मालवा प्रांत के उपाध्यक्ष सतीश दवे ने कार्यकारिणी का मार्गदर्शन करते हुए विभिन्न पदों पर नवीन कार्यकर्ताओं का मनोनयन किया। इसमें कोष कार्य में गोपाल महाकाल, धरोहर विधा में डॉ. अजय शर्मा, चित्रकला में तिलकराज सोलंकी, नाट्य विधा में अंकित जोशी, साहित्य विधा में अनुज पांचाल और प्रचार विभाग में मुकेश पंड्या को सह-संयोजक का दायित्व सौंपा गया। साधारण सभा में संतोष व्यास, सुंदरलाल मालवीय, रितेश पवार, गोविंद गंध्ये, प्रकाश चित्तौड़ा, संजय शर्मा, योगेंद्र पिपलोनिया, डॉ. पूनम व्यास, श्रीकृष्ण जोशी और विनोद काबरा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं संस्कार मित्र उपस्थित रहे। संचालन शुभम शर्मा ने किया तथा आभार दुर्गाशंकर सूर्यवंशी ने माना। यह जानकारी प्रचार प्रमुख जयंत तेलंग ने दी।

### अजाक्स उज्जैन संभाग के रतलाम जिला सम्मेलन का हुआ आयोजन

**उज्जैन।** अजाक्स (अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संगठन) उज्जैन संभाग के रतलाम जिला सम्मेलन का आयोजन रतलाम में किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता मध्यप्रदेश अजाक्स के प्रदेश अध्यक्ष आईएएस संतोष वर्मा साहब ने की। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में प्रदेश सचिव महेश बिरोलिया, उज्जैन संभाग अध्यक्ष जगन्नाथ बागड़ी, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर एमपी विमल, डॉ. ओहरी सहित गणमान्य नागरिक, वरिष्ठ साथी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सम्मेलन का आयोजन रतलाम जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर लश्करी, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष रमेश कटारिया एवं जिला कार्यकारिणी रतलाम द्वारा किया गया। इस दौरान उज्जैन संभाग के सभी जिला अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष संतोष वर्मा साहब का गर्मजोशी के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया। सम्मेलन में संगठन के आगामी कार्यक्रमों, अजाक्स एजेंडे एवं सामाजिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर उज्जैन संभाग के समस्त जिला अध्यक्ष, संभागीय पदाधिकारी, जिला कार्यकारिणी, तहसील एवं ब्लॉक कार्यकारिणी तथा अनुसूचित जाति-जनजाति समाज के सामाजिक संगठनों के प्रमुख साथियों को देवास में आयोजित होने वाले जिला सम्मेलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। अजाक्स उज्जैन संभाग अध्यक्ष जगन्नाथ बागड़ी, रतलाम जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर लश्करी एवं देवास जिला अध्यक्ष हेमराज गोखले ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश शासन के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में उज्जैन में प्रस्तावित विशाल एवं भव्य आयोजन को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। दिनांक 28 जून 2026 रविवार को प्रातः 11 बजे से प्रस्तावित मालवांचल संभागीय महाधिवेशन को लेकर रतलाम जिला सम्मेलन में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अजाक्स एजेंडे को लेकर चर्चा एवं सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। उज्जैन में अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी कर्मचारी के मालवांचल संभागीय अधिवेशन को लेकर प्रदेश महासचिव महेश बिरोलिया, प्रदेश सचिव रमेशचंद्र चगेसिया, प्रदेश संयुक्त सचिव जेपी अहिरवार, रामकृष्ण वर्मा, उज्जैन संभाग अध्यक्ष जगन्नाथ बागड़ी, जिला अध्यक्ष डॉ. रतनलाल परमार, जिला अध्यक्ष बद्रीलाल पवार, डॉ. तारा परमार, दयाराम मालवी सहित अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष आईएएस संतोष वर्मा के नेतृत्व में उज्जैन संभाग के सभी जिलों में अजाक्स एजेंडे को लेकर जिला स्तरीय सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है।

# मुख्य द्वार का भूमिपूजन और उपाश्रय स्थल पर ध्वजारोहण

**उज्जैन।** पंचक्रोशी मार्ग स्थित करौंदिया के सनसिटी अभ्युदयनगर में रविवार को जैन समाज का धार्मिक समारोह श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। समारोह में आचार्य मुक्ति सागर सूरीश्वर महाराज एवं आचार्य अचल मुक्ति सागर सूरीश्वर महाराज के सानिध्य में प्रस्तावित उपाश्रय स्थल पर ध्वजारोहण और कॉलोनी के मुख्य प्रवेश द्वार का भूमिपूजन किया गया।

आयोजकों के अनुसार सनसिटी अभ्युदयनगर में समाज के लिए भगवान वासुपूज्य स्वामी का मंदिर और उपाश्रय विकसित किया जा रहा है। धार्मिक कार्यक्रम के बाद श्रद्धालुओं के लिए स्वामी वात्सल्य का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संतों ने आशीर्वचन देकर धर्म एवं समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प दिलाया। समारोह में जैन समाज सहित अन्य समाजों के धर्मावलंबी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में इंदौर से ओमप्रकाश बागोरा, अजय शिरोणकर और गौरव जैन उपस्थित रहे। सूरत से विनोद सकलेचा ने भी सहभागिता की। आयोजन की व्यवस्थाएं सनसिटी परिवार के मैनेजिंग डायरेक्टर आलोक विद्यार्थी और उनकी टीम के सदस्यों ने संभाली। टीम में इंदौर से सोमिल कोठारी, ओमप्रकाश खंडेलवाल, चिराग शिरोणकर, वीरेश सिंह, राजेंद्र चौहान, विवेक बाफना, राकेश सूदन, धर्मेन्द्र नागर, रामबदन द्विवेदी और उज्जैन से आशीष गौड़ उपस्थित रहे।

## ताजपुर में बावड़ी का किया पुनरुद्धार

**उज्जैन।** जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत ताजपुर की ऐतिहासिक चोपड़ा वाली माताजी बावड़ी का सफल जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो गया है। अमृत सरोवर एवं जल संरक्षण योजनाओं के तहत कराए गए इस कार्य से प्राचीन बावड़ी ने अपना मूल स्वरूप प्राप्त कर लिया है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई है। ताजपुर में चोपड़ा वाली माताजी बावड़ी स्थापत्य कला का सुंदर उदाहरण है।

परमार काल (लगभग 18वीं-19वीं शताब्दी) में निर्मित इस बावड़ी का निर्माण मराठा काल/सिंधिया रियासत के दौरान किया गया था। बावड़ी के परिसर में माताजी (जलदेवी) का मंदिर स्थित है, जहां स्थानीय लोगों की गहरी आस्था है। यह बावड़ी न केवल जल संरक्षण का प्रतीक रही है, बल्कि धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक केंद्र के रूप में भी जानी जाती रही है। बावड़ी जीर्णोद्धार कार्य में 1.75 लाख की अनुमानित लागत आई तथा बावड़ी से 10 क्विंटल गाद निकाला गया। ग्राम पंचायत सरपंच के नेतृत्व में बावड़ी को मूल स्वरूप में पुनर्स्थापित किया गया। परिसर की सफाई एवं सौंदर्यीकरण का कार्य भी पूरा किया गया। जल संरक्षण और धरोहर संरक्षण की दिशा में यह कार्य उज्जैन जिले के लिए एक प्रेरणादायक मिसाल है।

## नरवर में बना अमृत सरोवर विकास की अनूठी मिसाल, बना जीवंत तीर्थ

**उज्जैन।** ग्राम पंचायत नरवर (जनपद पंचायत उज्जैन, में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत निर्मित अमृत सरोवर आज केवल एक जल संरचना नहीं, बल्कि गांववासियों की आस्था, श्रम और अध्यात्म का जीवंत तीर्थ बन चुका है।

यह अमृत सरोवर जल संरक्षण, कृषि समृद्धि और पर्यावरण संरक्षण की एक शानदार मिसाल बनकर उभरा है। बाबा महाकाल की पावन नगरी उज्जैन के आंचल में बसे इस गांव ने सिद्ध कर दिया है कि जब शासकीय योजनाओं को अध्यात्मिक भावना और सामूहिक प्रयासों का संबल मिलता है, तो धरती का कोना स्वत: ही हरित हो जाता है। पूर्व में यह तालाब मुख्य रूप से कृषि व सिंचाई के लिए मानसून के पानी को संचित कर फसलों की सिंचाई, भूजल पुनर्भरण के माध्यम से जमीन का जलस्तर बनाए रखने तथा गांववासियों के नहाने, कपड़े धोने और मवेशियों के पीने के प्रमुख स्रोत के रूप में उपयोग होता था। अमृत सरोवर मिशन के तहत जीर्णोद्धार कार्य प्रारंभ किया गया। स्वीकृत लागत 19.18 लाख के साथ 04 अप्रैल 2025 को कार्य शुरू हुआ। आज यह सरोवर पूर्ण रूप से विकसित होकर गांव की आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय स्थिति को मजबूत बना रहा है। इसके जीर्णोद्धार से जल संरक्षण सुनिश्चित हुआ है जिसमें वर्ष भर पर्याप्त जल भंडारण के साथ आसपास की भूमि की सिंचाई सुगम हुई है। कृषि उत्पादकता में वृद्धि हुई है क्योंकि किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा मिलने से फसल उत्पादन बढ़ा है। मनरेगा के तहत स्थानीय श्रमिकों को कार्य के अवसर प्रदान किए गए जिससे ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा मिला। भूजल स्तर में सुधार एवं हरित क्षेत्र का विस्तार होकर पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिली है। साथ ही यह गांववासियों की आस्था का केंद्र बनकर सामूहिक एकता को भी बढ़ावा दे रहा है। यह कार्य ग्राम पंचायत सरपंच एवं संबंधित विभागों के समन्वय व प्रयासों से सफलतापूर्वक पूरा हुआ है।

## दूषित क्षिप्रा नदी के जल से महिदपुर तहसील व शहर के लोग त्रासदी झेलने पर मजबूर

**महिदपुर। कल कल बहती क्षिप्रा नदी आज दूषित जल से सरोबार है। क्षेत्र का जनजीवन इस हमेशा की समस्या से ग्रसित हो चुका है। उज्जैन में पूर्व में करीबन 600 करोड़ लगाने के बाद भी क्षिप्रा को शुद्ध नहीं कर पाई है। फिर 900 करोड़ के कान्हा डक्ट प्रोजेक्ट के बाद भी महिदपुर तहसील का जल और ज्यादा दूषित होगा।**

क्षिप्रा शुद्धीकरण के नाम पर 1500 करोड़ खर्च हो जाने को है फिर भी क्षिप्रा को सिर्फ उज्जैन तक शुद्ध करने के प्रयास में प्राकृतिक शुद्ध जल बहाव को सरकार की निति से दूषित करने का प्रयास हो रहा है। विगत सिंहस्थ 2016 से निरंतर शासन व प्रशासन को रजिस्टर्ड एडी पत्र भेजकर जनसमस्या का मुखर विरोध दर्ज कराने के बाद भी ध्यान नहीं दिया गया है। आज नगर व तहसील के क्षिप्रा नदी के तट के ग्रामों को लाचार विवश व मजबूर होकर दूषित जल पीने को मजबूर होना पड़ रहा है। शासन व प्रशासन को भविष्य में क्षिप्रा नदी और गंदी न हो इस बाबत सार्थक ठोस व परिणामी प्रयास कर आम जनता को राहत देने का कार्य करना चाहिये। हरबाखेड़ी में 10 फिट ऊंचाई तक पानी रुकने से क्षिप्रा नदी के गंदे पानी का बहाव गर्मी में रुक जाने से जनता को और त्रासदी झेलना पड़ेगी। जिससे शरीर में चर्म रोग एवं अन्य पेट संबंधी गंभीर बिमारियों की गिरफ्त में आ जावेंगे। म.प्र. कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता तथा नपा महिदपुर के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक नवलखा ने शासन प्रशासन से व पर्यावरण विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग से आम जनता के हित में कदम उठाने, नेशनल ग्रीन ट्यूबनल से भी इस ओर संज्ञान में लेकर कदम उठाने की मांग की है।

## नामांकन निरस्त होने के विरोध में कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

**उज्जैन।** मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव 2026 में कांग्रेस प्रत्याशी मीनानटराजन का नामांकन पत्र निरस्त किए जाने के विरोध में सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौंपा गया। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र की निष्पक्षता एवं चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए मामले की निष्पक्ष जांच कर न्यायसंगत कार्रवाई की मांग की है।

राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की जिलाध्यक्ष स्वाति सिंह ने बताया कि संगठन की प्रदेश अध्यक्ष मोना कौरव के निर्देशानुसार पदाधिकारियों एवं कांग्रेस परिवार के साथियों द्वारा यह ज्ञापन दिया गया है। राजीव गांधी पंचायत राज संगठन की राष्ट्रीय समन्वयक रेणुका मालवीय, यूथ कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष जावेद पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष उमेश वर्मा, उज्जैन जनपद पंचायत उपाध्यक्ष नासिर पटेल, योगेंद्र पंडया, जितेंद्र जाट, बालू राम बडाल, आशिक हुसैन, दिलीप चौधरी, गोपाल राठी, रामेश्वर गुर्जर, गौरव उपाध्याय, शहर महासचिव सोनिया ठाकुर, पार्षद सपना सांकला, महिला उत्पीड़न प्रकोष्ठ अध्यक्ष नीलम विश्वास, सीमा पटेल, नरेंद्र मालवीय, जहांगीर पटेल, कुलदीप बना, विजय पटेल डंडिया, जयराम बडाल, अंकित विशु यादव सहित अन्य मौजूद थे।

## विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग

**उन्हेल। विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग उन्हेल नगर स्थित धाकड़ धर्मशाला में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अभ्यास वर्ग में नागदा, खाचरोद, बड़नगर, इंगोरिया एवं उन्हेल क्षेत्र के 150 से अधिक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।**

वर्ग के उद्घाटन सत्र में विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत विमर्श प्रमुख एवं राष्ट्रीय कवि मुकेश मौलवा के मुख्य आतिथ्य में दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रांत गौ-रक्षा प्रमुख जगदीश धाकड़, विभाग मंत्री विष्णु पाटीदार, जिला अध्यक्ष ओजेस सोलंकी एवं जिला मंत्री जीतेन्द्र पांचाल मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन वर्ग बौद्धिक प्रमुख रानी दीदी व्यास ने किया।

वक्ताओं ने बताया कि संगठन समय-समय पर अभ्यास वर्गों के माध्यम से अपने कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिससे वे अनुशासनपूर्वक राष्ट्र एवं हिन्दू हित के कार्यों को निरंतर गति प्रदान कर सकें। प्रांत विमर्श प्रमुख मुकेश मौलवा ने अपने उद्बोधन में विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल की स्थापना के उद्देश्य तथा संगठन की उपलब्धियों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। सम्पूर्ण वर्ग में कुल छह बौद्धिक सत्र आयोजित किए गए, जिनमें विभाग सामाजिक समरसता प्रमुख भंवरलाल अंटोलिया, मानसी उपाध्याय एवं ईश्वरलाल हल्कारा सहित अन्य वक्ताओं ने मार्गदर्शन प्रदान किया। समापन सत्र में विहिप-बजरंग दल के प्रांत मंत्री विनोद शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मुगलों एवं विदेशी आक्रमणकारियों के दबाव के बावजूद अपने धर्म और संस्कृति की रक्षा करने वाले दलित समाज का तिरस्कार नहीं, बल्कि सम्मान किया जाना चाहिए।

अभ्यास वर्ग में विभाग सामाजिक सह-समरसता प्रमुख राजेंद्र पाटीदार, जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र आंजना एवं जीवन चौधरी, देवेंद्र सेन, जिला सह मंत्री समरथ सेन, जिला संयोजक महेश आंजना, जिला धर्म प्रसार प्रमुख दिलीप राठौर, जिला सेवा प्रमुख रमेश प्रजापत, जिला विशेष संपर्क प्रमुख मुकेश सांगितला, जिला सुरक्षा प्रमुख अर्जुन करनावद, जिला विधि प्रकोष्ठ प्रमुख गौरव शर्मा, जिला सह गौ-रक्षा प्रमुख रोशन शुक्ला, जिला साप्ताहिक मिलन प्रमुख संदीप कच्छवा, जिला धर्माचार्य संपर्क प्रमुख श्रवण शर्मा, जिला विद्यार्थी प्रमुख मुकेश देवड़ा, ईश्वर सिंह आंजना, कमलदास बैरागी, संजय आंजना, कान्हा ढोढरिया, भरत प्रजापत, कमल मृत्युंजय, भीम सिंह ढोबरिया, पुष्पेंद्र राठौर, राकेश शर्मा, कृपाल सिंह तंवर, कालू सिंह गुर्जर, संध्या खेरवार, रामेश्वर आंजना, आकाश राव, गोविंद नागर सहित अन्य मौजूद थे।

**एक नजर** ▶ **गुरु की महत्ता और भाषा के संरक्षण पर हुआ मंथन**

## ममता और आत्मीयता से शिक्षक बनता है श्रद्धा का पात्र

**उज्जैन।** लोकमान्य तिलक शिक्षण समिति द्वारा आयोजित शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग के चौथे दिन गुरु की महत्ता और शिक्षा में मातृभाषा के महत्व पर विस्तार से मंथन किया गया। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षक विद्यार्थियों के प्रति ममता और आत्मीय भाव रखकर ही उनके लिए श्रद्धा का केंद्र बन सकता है, वहीं नई शिक्षा नीति के तहत मातृभाषा और स्थानीय बोलियों में शिक्षा देना विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रथम सत्र का शुभारंभ संगठन मंत्र एवं मां सरस्वती के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस सत्र में मुख्य वक्ता मानस मर्मज्ञ एवं कथावाचक श्याम मनावात ने शिष्य की श्रद्धा का केंद्र शिक्षक विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि संसार की अधिकांश समस्याओं का समाधान श्रेष्ठ विचारों में निहित है। साधनों का होना रिद्धि है और उनका सदुपयोग सिद्धि है, शिक्षा तभी पूर्ण मानी जाती है जब इन दोनों का समन्वय हो। किसी भी कार्य के पीछे आवश्यकता, आग्रह और स्वयं की चेतना प्रमुख प्रेरक तत्व होते हैं। जब शिक्षक के मन में विद्यार्थियों के प्रति ममता का भाव जागृत होता है, तभी वह श्रद्धा का पात्र बनता है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में मूंछों वाली मां गिजुभाई का प्रेरक उदाहरण भी दिया। इस सत्र का संचालन प्रियंका सुगंधी ने किया।

### विलुप्त होने से बचानी होंगी हमारी बोलियां

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कुलानुशासक डॉ. शैलेंद्र शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा में हिंदी भाषा और बोली का महत्व विषय पर मार्गदर्शन दिया। डॉ. शर्मा ने कहा कि वैदिक ऋषियों के अनुसार किसी भी राष्ट्र की अपनी भाषा ही उसे वास्तविक समृद्धि प्रदान करती है। यदि हम अपनी बोलियों का उपयोग नहीं करेंगे तो आने वाले समय में वे विलुप्त हो जाएंगी।

## महान कवियों की रचना कंठस्थ कर सुनाना सराहनीय : डॉ. बुधौलिया

**उज्जैन।** साहित्य जगत की महान हस्तियों की कविताओं को कंठस्थ कर सुनाना एक अच्छा प्रयास है और इस अनूठे प्रयोग के लिए संस्था सरल काव्यांजलि बधाई की पात्र है। उक्त बात शिक्षाविद डॉ. हरिमोहन बुधौलिया ने सरल काव्यांजलि की मासिक गोष्ठी में अध्यक्षता करते हुए कहीं।

जानकारी देते हुए संस्था की डॉक्टर वंदना गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम के अतिथि साहित्यकार डॉ. प्रभाकर शर्मा, समाजसेवी डॉ. मुकेश इंगले तथा वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद व्यास थे। इस अवसर पर डॉ. संजय नागर, सन्तोष सुपेकर, मानसिंह शरद, नितिन पोळ, आशीष श्रीवास्तव, राजेन्द्र देवधरे, डॉ. नेत्रा रावणकर, तरुण उपाध्याय, डॉ. पुष्पा चौरसिया, विजय गोपी, वीएस गहलोत, गिरिजा देवी ठाकुर, डॉ. रफीक नागौरी, अमृता उषारिया, धनसिंह चौहान, संगीता तल्रेरा और डॉ. सीमा पंड्या आदि ने अपनी रचनाएं और उससे पहले, ख्यात कवियों की रचनाएं कंठस्थ कर सुनाईं। श्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए आशीष श्रीवास्तव, वीएस गहलोत तथा डॉ. रफीक नागौरी का चयन किया गया। आशागंगा शिरढ़ोणकर ने राम मूरत के बाल लघुकथा संग्रह जम्बो पैकेट की समीक्षा की।